GENERAL STUDIES (Module – 3)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–GS13

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Ravi **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19 | B001

Center & Date: Delhi 13/08/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 1111762

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय वास्तुकारों द्वारा अपने अप्रतिम कौशल व निर्माण निपुणता के द्वारा जिन संरचनाओं का निर्माण किया गया था, वे आज भी अपने स्थान पर विराजमान हैं।

कलाओं का धार्मिक स्वरूप :- प्राचीन भारतीय समाज मुख्यतः धर्म द्वारा निर्देशित था। हिन्दु, जैन, बौद्ध, सिख धर्म की जन्मभूमि होने व इस्लाम के आगमन के कारण कलाओं पर भी धार्मिक प्रभाव पड़ना अवश्यंभावी था। उदा-

प्राचीन भारत

स्थापत्यकला
- सिन्धु सभ्यता के कुछ भवन
- बौद्ध स्तूप (सांची, भरहुत)
- जैन गुफाएँ
- हिन्दू मंदिर (पल्लव व चोल काल)

अन्य कलाएँ
- अजन्ता एलोरा की चित्रकारी
- सिंधु सभ्यता के पशुपति सील, दाढ़ी वाला पुजारी आदि उदाहरण।
- शालभंजिका की प्रतिमाएँ आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

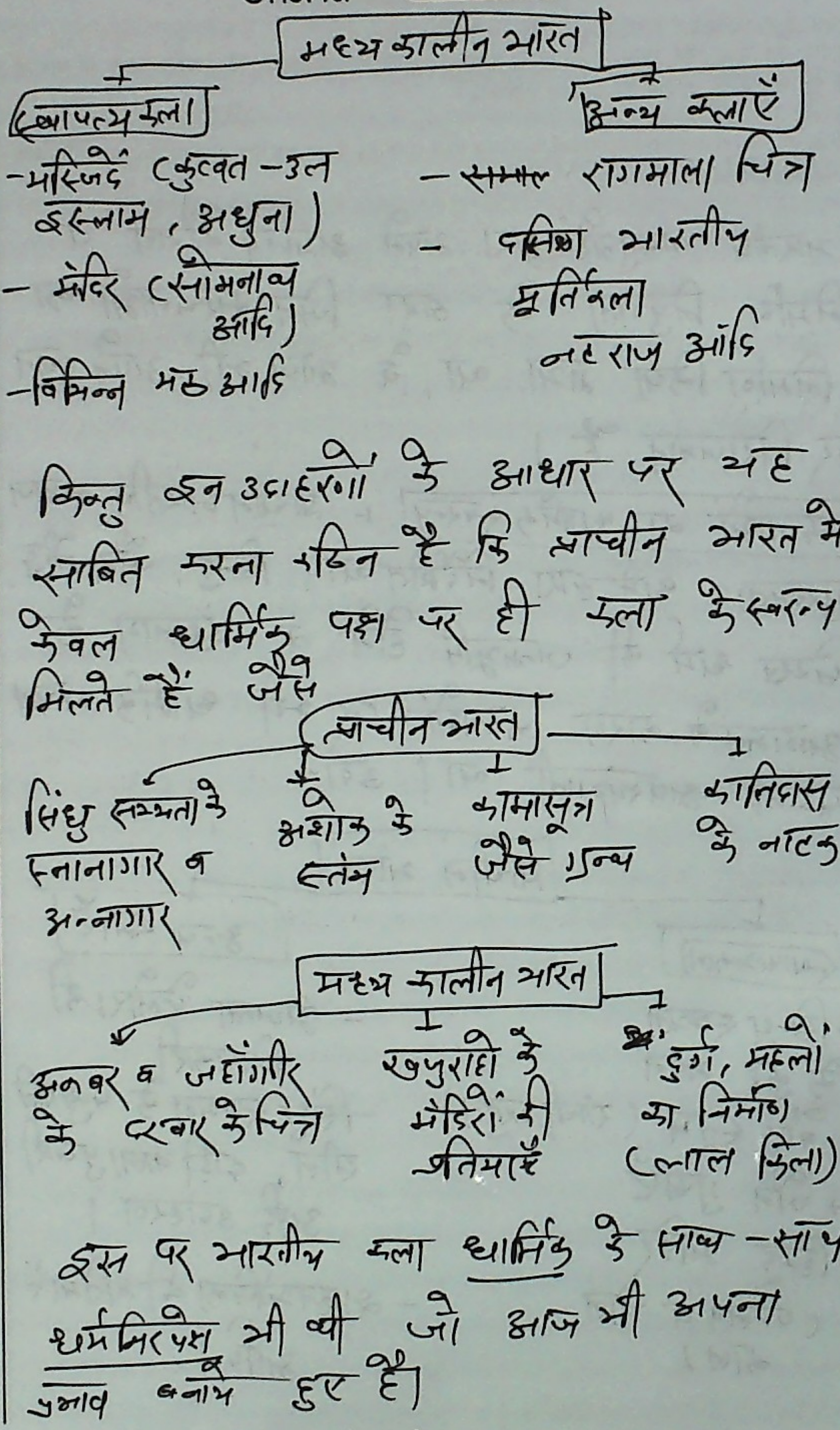

इस पर भारतीय कला धार्मिक के साथ-साथ धर्मनिरपेक्ष भी थी जो आज भी अपना प्रभाव बनाये हुए है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. चोलकालीन कांस्य प्रतिमाओं को सर्वाधिक परिष्कृत माना जाता है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Chola bronze sculptures are considered as the most elegant. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

मध्यकालीन भारत में 10 वीं से 12 वीं शताब्दी के मध्य चोल शासकों ने अपने साम्राज्य विस्तार के साथ साथ कला पक्ष पर भी अत्यन्त बल दिया। स्थापत्यकला के रूप में द्रविड़ शैली का चरम रूप हो या मूर्तिकला में नटराज की प्रतिमा- चोलकालीन उपादान अन्यतम है।

प्रतिमाएँ

① नटराज की प्रतिमा में निहित तांडव तत्व, शिव का लोकरक्षणकारी स्वरूप, 'अप्सरा' नामक अज्ञानता रूपी राक्षस का नाश आदि चोलकालीन प्रतिमाओं का धार्मिक व लोकोन्मुख पक्ष प्रकट करती है। ऐसी प्रतिमाएँ इससे पहले व बाद के इतिहास में दुर्लभ है।

② मूर्तियों में निहित मुद्राएँ जैसे त्रिभंग आदि भी मूर्णतः अनुपाती रूप में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आती है। शरीर की गति, लय व कोमलता दृष्टव्य है।

③ बाकी कालों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक शुद्ध कांसे का इस्तेमाल।

④ मूर्तियों की चमक भी अत्यन्त आकर्षक है व बाकी कालों पर भारी पड़ती है।

⑤ तकनीकी पक्ष भी बाकी कालों की तुलना में अन्यतम है।

इस प्रकार चोलकाल की यदि मूर्तिकला (कांस्य) का स्वर्णकाल कहा जाये तो भी अतिशयोक्ति न होगी। इसी का परिणाम है कि विभिन्न कलाप्रेमी लाखों रुपये खर्च कर छोटी - छोटी मूर्तियाँ भी खरीद लेते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the contributions of Ishwar Chandra Vidyasagar in the making of modern India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

आधुनिकता एक कालनिरपेक्ष या स्थाननिरपेक्ष अवधारणा नहीं है। इसकी प्रमुख कसौटियाँ निम्न है-

(i) परलोक के बजाय इहलौकिक समस्याओं पर ध्यान।

(ii) मानवता व मानववाद पर बल।

(iii) वैज्ञानिक व तार्किक सोच आदि।

इन कसौटियों पर आधुनिक भारत के निर्माण में विद्यासागर जी का योगदान देखा जा सकता है

① इहलौकिक समस्याएँ

- धार्मिक कट्टरता व रूढ़ीवाद पर कटाक्ष किये। (ब्रह्म समाज से जुड़े)
- धर्म के सरस रूप की स्थापना पर बल। (तत्वबोधिनी पत्रिका)
- जातिवाद पर बल न देकर अपने स्कूल में विभिन्न जातियों के छात्रों पर बल।
- एकेश्वरवाद पर बल।

② मानवतावादी पक्ष

- विधवा विवाह अधिनियम (1856) पारित करवाने में प्रमुख भूमिका

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

- बेथून स्कूल के मंत्री की हैसियत से विभिन्न बालिका विद्यालयों की स्थापना।
- नारी शिक्षा, समानता व स्वतंत्रता पर विशेष बल।

③ तर्क व वैज्ञानिकता

- स्कूलों में संस्कृत के साथ पाश्चात्य वैज्ञानिक शिक्षा पर बल।
- नई बांग्ला वर्णमाला व व्याकरण का विकास (वैज्ञानिक आधार पर)
- तर्कवाद से जाति प्रथा की आलोचना।
- धर्म सुधार से समाज सुधार पर बल।

इस पर राजा राममोहन राय की परंपरा में इन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

उष्णकटिबंधीय चक्रवात (हरिकेन, टायफून, विली-विली) एक निम्न दाब का क्षेत्र होता है जिसके चारों ओर कोरियोलिस बल के कारण हवाओं का पथ वृत्ताकार होता है और इन्हें ऊर्जा ऊपर उठती हवाओं में संघनन की गुप्त ऊष्मा द्वारा प्राप्त होती है।

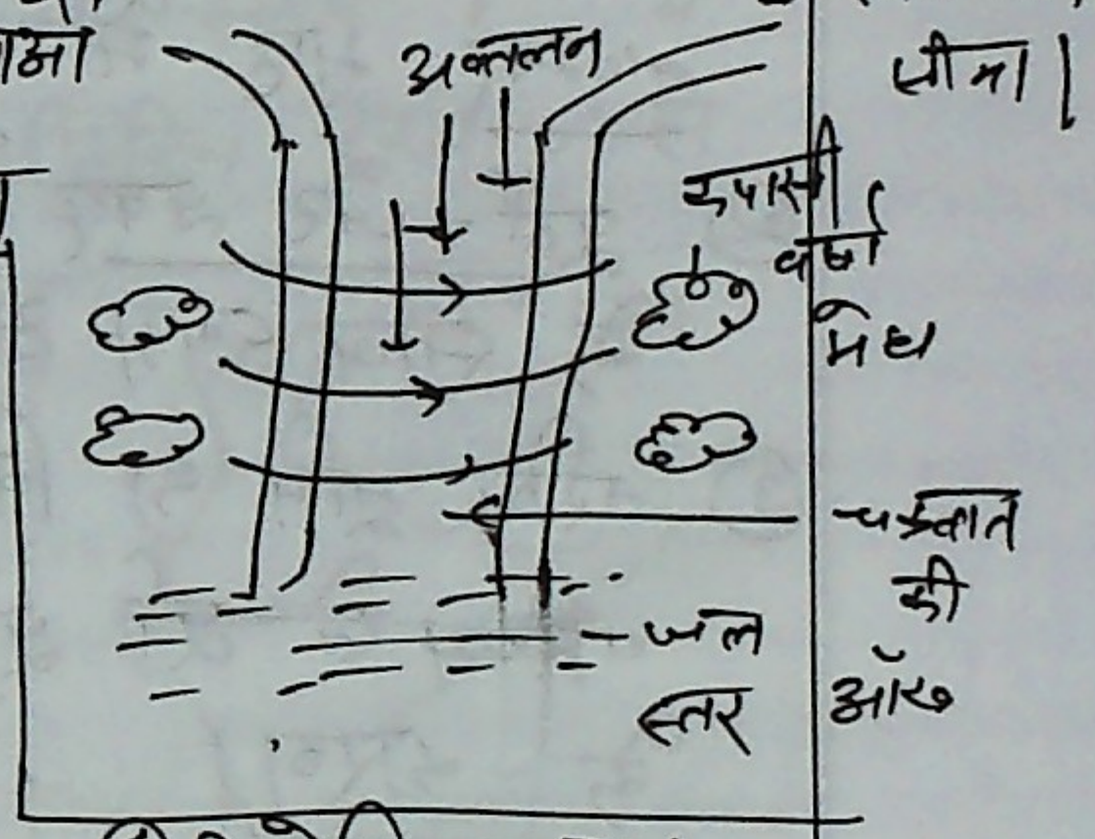

आवश्यक दशाएँ :-

1. समुद्री जल सतह ताप 25-27°C
2. भूमध्य रेखा से दूरी (कोरियोलिस बल)
3. ऊपरी परिसंचरण (हवाओं का)
4. संघनन की गुप्त ऊष्मा का होना।

विशेषताएँ

1. ये पूर्व से पश्चिम की ओर गति करते हैं।
2. चक्रवात की आँख एक उच्च दाब क्षेत्र होता है जहाँ मौसम साफ रहता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③. तट पर ऊर्जा निर्मुक्ति के बाद ये शांत हो जाते हैं।

④. भूमि पर ऊर्जा का ह्रास

⑤ उच्च गति से तट पर विनाशकारी प्रभाव।

बंगाल की खाड़ी में अधिकता का कारण

①. 'बंगाल की खाड़ी का तापमान अक्टूबर-नवम्बर माह में अधिक होना।

② पूर्वी-जेट प्रवाह के कारण में मानसून के समय इनका आगमन होता है

③ तटीय भूमि का विस्तृत क्षेत्र (गति ~~पश्चिम से पूर्व~~ पूर्व से पश्चिम होने के कारण।

④ कोरियोलिस बल की उपस्थिति।

अतः इस प्रकार ये चक्रवात अपनी प्रकृति में विनाशकारी होकर व्यापक जनहानि व मालहानि करते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. भारत जैसे देश में विभिन्न समय-क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) का मुद्दा सामने आता रहता है। इस संदर्भ में भारत के विभिन्न समय-क्षेत्रों की व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The issue of multiple time-zones for a country like India keeps resurfacing. In this context, examine the feasibility of multiple time zones in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समय-क्षेत्रों से तात्पर्य ऐसे मानक समय से है जो पूरे क्षेत्र में एक समान रहता है। उदाहरण के लिये भारत का मानक समय 82½° पूर्वी देशान्तर रेखा है जो पूरे भारत का मानक समय है व पूरे भारत में यह मानक ग्रीनविच रेखा 0° से 5:30 घंटे आगे रहता है।

टाइम जोन में परिवर्तन की प्रासंगिकता :-

① उ० पू० क्षेत्र में दिन के घंटो में वृद्धि होगी क्योंकि वहाँ सूर्य उगने पर भी समय कम दिखाई देता है।

② ऊर्जा खपत में कमी :- वहाँ पर सूर्यास्त शीघ्र होने के कारण बिजली खपत (कार्यालयी समय में वृद्धि) में वृद्धि रहती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) उत्पादकता में वृद्धि :- सुबह की ताजगी में काम पर जाने से दक्षता वृद्धि।

(4) 'सर्केडियम रिदम' (जैविक घड़ी) का सुचारू रूप से चलना।

(5) उ० पू० क्षेत्र के औद्योगिक विकास में सहायक।

(6) अन्य देशों (फ्रांस, अमेरीका, रूस) में भी अधिक टाइम जोन है।

(7) अंग्रेजों के समय में भी 'चाय बागान' टाइम प्रचलित था।

चुनौतियाँ :- (i) अवसंरचना पक्ष
(ii) जागरूकता पक्ष
(iii) समझने में कठिनाई

किन्तु यदि संपूर्ण विश्लेषण करें तो इससे प्राप्त लाभ चुनौतियों से अधिक है। साथ ही, विभिन्न वैज्ञानिकों की भी यही राय है इसके अलावा उ० -पू० क्षेत्र के लोगों की मांग की भी पूर्ति होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

हालिया समय में जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ अनेक मानव-जनित कारकों यथा- वनोन्मूलन, भूमि अवनयन, पहाड़ों की कटना आदि के कारण भारत आपदाओं के प्रति अधिक सुग्रेय हो गया है। ऐसा देखने में आता है कि शुल्क दिनों व आर्द्र दिनों की तीव्रता व अवधि में वृद्धि हुई है साथ ही पश्चिमी भारत में सूखा पड़ता है तो पूर्वी व दक्षिणी भारत में बाढ़ एक समय में ही आ जाती है।

'नदी जोड़ो कार्यक्रम' - इसके तहत विभिन्न हिमालयी व प्रायद्वीपीय नदियों की नहरों, लिंक- नहरों, पाइपलाइनों आदि के द्वारा जोड़ना शामिल है। उदाहरण चंबल-, बेतवा लिंक प्रोजेक्ट।

प्रासंगिकता

① मानसून के समय जलाधिक्य को पश्चिमी भारत जैसे स्थानों पर भेजना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② मानसून पश्चात दक्षिण भारत में जल की कमी को प्रायद्वीपीय व हिमालयी (वर्षवाही नदियों) से जुड़ाव करना।

③ तमिलनाडु व हालिया जल की कमी, केरल व कर्नाटक की बाढ़ जैसे मुद्दों का समाधान हो सकेगा।

चुनौतियाँ

① दीर्घकालिक चुनौतियों का पूर्वानुमान नहीं कर सकते।

② वनों, आवासों की जलमग्नता; जनसंख्या विस्थापन जैसे मुद्दे।

③ अत्यधिक वित्त की ज़रूरत, तकनीकी पक्ष व राज्यों के जलीय विवाद।

आगे की राह

(i) जलवायु परिवर्तन को रोकने पर बल दिया जाये।

(ii) जल संभर प्रबंधन, पारिस्थितिकीय तंत्र एप्रोच, भूदृश्य एप्रोच पर बल दिया जाये।

(iii) परियोजना का 'पर्यावरण प्रभाव आकलन' करना।

जलपुरुष राजेन्द्र सिंह के अनुसार नदी जोड़ने के बजाय लोगों का पानी के प्रति दिल से जुड़ाव करना समय की ज़रूरत है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रशासन में विशेषतः प्रांतीय प्रशासन, स्थानीय निकायों एवं लोक सेवाओं के क्षेत्र में कौन-से प्रमुख परिवर्तन किये गए थे? (150 शब्द) 10

What were the prominent changes made in the administration of India after the Revolt of 1857 especially in the fields of provincial administration, local bodies and public services? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1857 के भीषण विद्रोह ने अंग्रेजी सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर दिया। अपनी प्राचीन नीतियों को बदलते हुए अंग्रेजी राज्य को दृढ़ता से स्थापित करने के लिये 1858 का अधिनियम पारित किया गया जो बाद में आगे चलकर अन्य अधिनियमों का प्रस्थान बिन्दु बना।

प्रान्तीय प्रशासन :- (i) सर्वप्रथम वायसरॉय को प्रान्तों पर पूर्ण नियंत्रण दिया गया। (1858 का अधिनियम)

(ii) 1861 के अधिनियम में भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया। कुछ शक्तियाँ प्रान्तीय गवर्नरों को दी गई।

(iii) लॉर्ड मेयो के काल में वित्तीय विकेन्द्रीकरण की शुरुआत हुई जो कि लॉर्ड लिटन, रिपन से होते हुए 1909, 1919 व 1935 के अधिनियम द्वारा प्रान्तीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वायत्तता के रूप में पर्यवसित हुई।

स्थानीय स्वशासन - पश्चिमी देशों में स्वास्थ्य, ~~एवं~~ स्वच्छता, जलापूर्ति जैसी सुविधाओं से प्रेरणा।

→ नये कर लगाना नहीं चाहती थी सरकार।

→ जनता को कुछ स्वशासन देकर उन पर कर लगाने का ज़रिया

- लॉर्ड रिपन को 'इनका जन्मदाता' माना जाता है। (कलकत्ता, मद्रास में नगर निगम)
- निर्वाचित सदस्य किन्तु सरकारी हस्तक्षेप के कारण अच्छे उदाहरण नहीं बनी।

लोक सेवा (i) भारतीयों को उच्च पदों से पृथक रखना।

(ii) लार्ड लिटन - उम्र घटाकर 21 वर्ष कर दी।

(iii) लंदन में परीक्षा

(iv) अंग्रेजी माध्यम में परीक्षा

(v) अंग्रेजों के पक्ष में झुकाव।

इस प्रकार अंग्रेजों की नीतियों का मुख्य उद्देश्य भारतीयों पर ब्रिटिश शासन को सुदृढ़ बनाना ही था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. उपनिवेशवाद के संदर्भ में, पश्चिमी शक्तियों द्वारा एशियाई तथा अफ्रीकी देशों पर आसानी से प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे के कारणों को उल्लेखित कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of colonialism, bring out the reasons behind easy domination of Asian and African countries by the Western powers. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद से तात्पर्य किसी मातृ देश अथवा शक्तिशाली देश द्वारा किसी कमज़ोर देश पर आर्थिक नियंत्रण स्थापित कर उसकी राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक व आर्थिक क्रियाओं का अपने हित में संचालन करने से है।

कारण

① राष्ट्रीय चेतना का अभाव - भारत हो या अफ्रीका - वहाँ के लोगों में निष्ठा अपने कबीलों, क्षेत्रों, जातियों के प्रति ही थी।

② पश्चिमी शक्तियाँ वैज्ञानिक व सैन्य दृष्टि से समृद्ध थी। उदा० - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के हथियार अत्याधुनिक थे।

③ फूट डालो - राज करो की नीति। - भारत में मराठा, मैसूर, हैदराबाद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आदि के सन्दर्भ में।

④ व्यापारिक लाभ द्वारा उत्पन्न पूंजी का प्रयोग युद्ध जीतने में, रिश्वत देने में किया गया।

⑤ पश्चिमी देशों में लोकतंत्र, स्वतंत्रता आदि आधुनिक विचार फैले → साहसिक समुद्री यात्राएँ → युद्ध लड़ने पर बल व वणिकवादी नीतियों के कारण पारंपरिक, रूढ़ीवादी भारतीय व अफ्रीकी देशों पर ये भारी पड़ी।

⑥ पश्चिमी देशों की विकसित नौसेना।

⑦ पश्चिमी देशों में भी प्रतिस्पर्धा थी।
– अफ्रीका का बंटवारा शांतिपूर्ण तरीके से।

⑧ एशिया व अफ्रीका में 'आधुनिकता' का प्रसार नहीं हुआ।

अतः उपर्युक्त कारणों के कारण पश्चिमी शक्तियों ने साम्राज्यवाद की स्थापना की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत में गरीबी का बिंदुपथ (ठिकाना) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The locus of poverty in India is shifting from rural to urban areas. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की शहरी गरीबी पर 2009 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 'शहरी का गरीबीकरण' हो रहा है। रिपोर्ट अनुसार- भारत में 25% से अधिक शहरी जनसंख्या 'गरीबी रेखा से नीचे' है।

कारण

(i) अनियंत्रित प्रवासन

(ii) शहरों का औद्योगिक विकास न होना।

(iii) ग्रामीण कृषि सेक्टर ने इस समस्या को और भड़काया है।

(iv) ग्रामीण लोग अपनी अगली पीढ़ी को अच्छी सुविधाएँ देने के लिये 'विकल्प मान' के रूप में शहर प्रवास करते हैं किन्तु अवसरों की कमी उन्हें गरीबी व मलिन बस्तियों में रहने को मजबूर करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) शहरों में सामाजिक व आधारभूत सुविधाओं (शिक्षा, स्वास्थ्य, जलापूर्ति का अभाव)।

(v) 'प्रवासियों की पहचान' (कोई कार्ड नहीं) न होने के कारण उनकी 'सौदेबाजी क्षमता' कम हो जाती है। सरकारी योजनाओं जैसे पी.डी.एस व आर.टी.ई (RTE) का लाभ नहीं मिलता।

उदाहरण (i) शहरों की 17% से अधिक जनसंख्या मलिन बस्तियों में (2011 जनगणना)।

(ii) 2017 के अनुमानों के अनुसार स्लम वासियों की जनसंख्या 100 मिलियन के पार।

(iii) शौचालय की कमी, अस्वस्थ पर्यावरण, सुविधा की कमी 'गरीबी की संस्कृति' व 'गरीबी के कुचक्र' को जन्म देती है।

आगे की राह - समावेशी शहरों के साथ समावेशी गाँवों का निर्माण करना

- सरकारी योजनाओं की इंटर-ऑपरेबिलिटी व पोर्टेबिलिटी करना। उदा० PDS प्रणाली।

- प्रवासियों की पहचान (जातिगत आधार) पर कर सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता के मध्य संबंध स्थापित कीजिये। जाति असमानता के उन्मूलन हेतु अभिकल्पित कुछ नीतिगत उपायों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Establish the relationship between caste and economic inequality in India. Describe some of the policy measures designed to address caste inequality. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

'जाति' भारतीय समाज की एक अद्वितीय व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत 'शुद्धता व प्रदूषण', स्पष्ट कार्य विभाजन, सहभोजिता, एंडोगेमी जैसे तत्व स्वत: समाहित है।

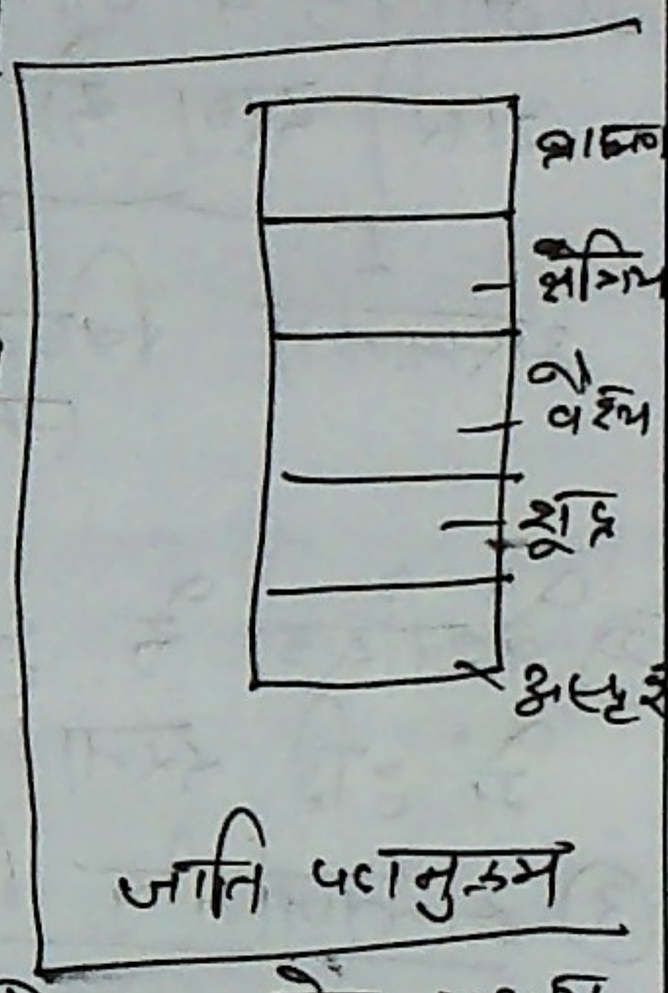

जाति पदानुक्रम

जाति व आर्थिक असमानता

① 'शुद्धता व प्रदूषण' के कारण व्यवसायों का विभाजन - उच्च व्यवसाय (शिक्षा, सैन्य आदि) केवल उच्च जातियों द्वारा।

② जाति व्यवस्था सामाजिक भेदभाव को प्रश्रय देती है। उदा० निचली जातियों को शिक्षा का अधिकार नहीं → रोजगार नहीं → आर्थिक रूप से कमज़ोर।

③ 'जजमानी व्यवस्था' जैसे प्रावधान आर्थिक असमानता को प्रश्रय देते हैं।

④ नीति-निर्माण व क्रियान्वयन में उच्च जाति बाहुल्य - हमेशा उच्च जातियों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must [not] write on this mar[gin])

के पक्ष में नीतियाँ बनेंगी। उदा० भारत में संयुक्त सचिव आदि पदों की स्थिति।

⑤ <u>अन्य उदाहरण</u> - मैला ढोने जैसे कार्यों में केवल निचली जातियाँ।

नीतिगत उपाय

① आर्थिक व औद्योगिक विकास के साथ समावेशी शहरीकरण को प्रोत्साहन।

- असमानता
- विषमांगी समाज
- मेल्टिंग पॉट कल्चर
- उपलब्धि उन्मुखता।

② वैश्वीकरण के सुप्रभावों के साथ <u>सेवा क्षेत्र</u> में वृद्धि करना।

③ <u>अन्तर्जातीय विवाहों</u> को प्रोत्साहन देना।

④ <u>अस्पृश्यता</u> व <u>उत्पीड़न</u> जैसे कानूनों की कठोरता व निश्चितता में वृद्धि करना।

⑤ सकारात्मक भेदभाव व्यवस्था को और अधिक 'तर्कसंगत' बनाना।

⑥ <u>शिक्षा व्यवस्था</u> में सुधार करना।

⑦ धार्मिक पुस्तकों का सहारा लेकर जाति के औचित्य को नकारना।

साथ ही जागरूकता व जनांदोलन के साथ निचली जातियों के '<u>बोटम अप एप्रोच</u>' रूपी जातियों में संवेदना वृद्धि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. "भारत को स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता है।" इस कथन के आलोक में भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"India needs smart urbanization". In light of this, discuss the issues and challenges associated with urbanization in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शहरीकरण से तात्पर्य - शहरों की ओर प्रवास करना, शहरी जनसंख्या में वृद्धि होना, शहरी जीवन मूल्यों को अपनाना आदि प्रक्रियाओं के सम्मिश्रण से है। 2011 की ~~जन~~ जनगणना के अनुसार भारत की 31% जनसंख्या शहरों में निवास करती है जिसका 2030 तक 50% होने का अनुमान है (सं. रा. जनसंख्या रिपोर्ट)।

शहरीकरण से संबंधित मुद्दे व चुनौतियाँ :

① अनियंत्रित प्रवासन का मुद्दा।
② 'रोजगारविहीन प्रवासन' का मुद्दा।
③ 'मलिन बस्तियों' से संबंधित मुद्दे।
④ महिला सुरक्षा व विकास से संबंधित मुद्दे।
⑤ उद्योगों की स्थापना व रोजगार के मुद्दे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⑥ पर्यावरणीय मुद्दे – उदा०
- दिल्ली का प्रदूषण
- स्वच्छ जल का अभाव।
- प्रदूषण में वृद्धि।
- ठोस कचरे की वृद्धि व उसकी उचित निपटान का मुद्दा।

⑦ अपराधों व कानून व्यवस्था संबंधित मुद्दे
- 'अपराध की संस्कृति'
- जड़ता व रुचिशून्यता
- समावेशी व संवेदनायुक्त प्रशासन नहीं'

⑧ शहरी स्थानीय निकायों की क्षमता संबंधी मुद्दे।

स्मार्ट शहरीकरण

① आर्थिक पक्ष :- शहरों में तकनीक के प्रयोग द्वारा उद्योगों की स्थापना की जाये।
- उच्च रोजगारमूलक उद्योग (वस्त्र व लेदर उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग टियर-2 व 3 शहरों में स्थापना।
- आवास मूल्य पर नियंत्रण - शहरी रिक्त भूमि० का प्रयोग।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

- फ्लोर : स्पेस अनुपात बढ़ाना।
- पुराने कानूनों में सुधार।

② मलिन बस्तियों का पक्ष :- प्राचीन दृष्टिकोण के बजाय 'मानवतावादी दृष्टिकोण' उपागम
- दृष्टिकोण व रुचि निर्माण कर रोजगार सृजन
उदा० धारावी (मुंबई) में सफल प्रयोग।

③ पर्यावरणीय मुद्दे :- उचित अपशिष्ट निवारण संचय, वेस्ट टू एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का निर्माण (नीति आयोग)
- सामुदायिक भागीदारी।

④ प्रशासनिक व स्थानीय निकाय :- मुनिसिपल बॉण्ड, राज्य हस्तान्तरण, मनोरंजन कर के द्वारा वित्त क्षमता
- पारदर्शी प्रशासन व सेवाओं के संबंध में PPP मॉडल अपनाना।
- हांगकांग का 'ट्रांसपोर्ट ओरिएंटेड मॉडल' अपनाना।

इन सबके अलावा सरकार को स्मार्ट सिटी मिशन व अमृत जैसी योजनाओं का उचित क्रियान्वयन कर शहरी विकास करना चाहिये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ तथा संभावनाएँ क्या हैं? अंतर्देशीय जल परिवहन के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 15

What are the challenges and prospects of inland water transport in India? Also, enumerate the measures taken by the government to promote inland water transport. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

अन्तर्देशीय जल परिवहन से तात्पर्य भारत के स्थलीय क्षेत्र में विद्यमान नदियों, नहरों, झीलों आदि का प्रयोग कर परिवहन किया जाना। भारत में लगभग 14500 कि.मी. की लंबी अन्तर्देशीय जलरेखा विद्यमान है।

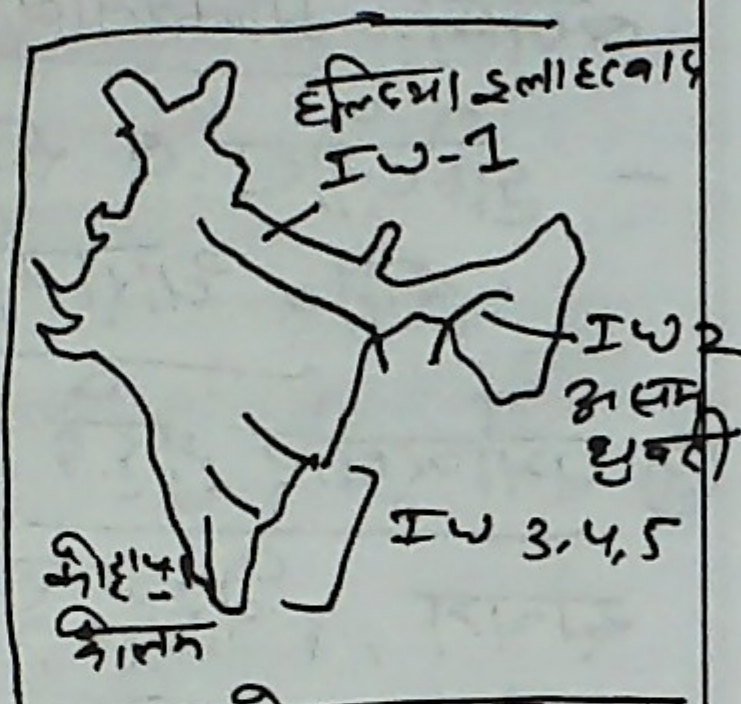

भारत के प्रमुख अन्तर्देशीय जलमार्ग IW

संभावनाएँ

① नदियों, व झीलों की बहुलता।

② वर्षपर्यन्त बहने वाली नदियां - गंगा, ब्रह्मपुत्र आदि की विद्यमानता।

③ सड़क व रेल परिवहन से कई गुणा सस्ता। (सड़क से 6 गुणा व रेल से 3 गुणा सस्ता परिवहन)

④ पर्यावरण अनुकूल तकनीक - कम कार्बन उत्सर्जन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

⑤ सड़कों व रेलों में आवागमन, समय, ट्रैफिक आदि की समस्या का निदान संभव।

चुनौतियाँ

① आर्थिक पक्ष :- उच्च लागत - उदाहरण के लिये राष्ट्रीय जल विकास परियोजना (NW-1) में भी 5300 करोड़ का बजट है।

② तकनीकी पक्ष :- इनके विकास के लिये मल्टी मॉडल टर्मिनल, सेंसर व विभिन्न प्रणालियों के जुड़ाव की ज़रूरत होती है।

③ वर्षपर्यन्त जल बहाव की समस्या :- प्रायद्वीपीय नदियों में वर्षभर जलबहाव नहीं।

④ नदियों की गहराई व अवसाद :- अधिक बड़े जहाजों का गमन संभव नहीं।

⑤ नियमित गाद हटाने की ज़रूरत रहती है।

⑥ निजी निवेश की समस्या।

⑦ नदियों का विसर्पी मार्ग, बाढ़, कम चौड़ाई जैसे कारक।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकारी कदम (i) अन्तर्देशीय जल मार्ग अधिनियम के तहत 2016 में 111 जलमार्गों की पहचान।

(ii) उपर्युक्त प्राधिकरण की स्थापना। (IWAI)

(iii) विश्व-बैंक की सहायता से वाराणसी इलाहाबाद-हल्दिया मार्ग पर विकास योजना का निर्माण।

(iv) ~~वाराणसी~~ वाराणसी में कंटेनर पोर्ट का निर्माण।

(v) असम, गुजरात में 'रो रो सेवा' की शुरुआत।

(vi) लेडीज (LADIS) एप जैसे नवाचारी कदम - जल गहराई, जल बहाव को नापने हेतु।

(vii) एकीकृत मल्टी मॉडल टर्मिनल का विकास।

(ix) लॉजिस्टिक क्षेत्र को अवसंरचना का दर्जा।

आगे की राह

(i) निजी निवेश आमंत्रित किया जाये।

(ii) तकनीकीपक्ष पर बल दिया जाये।

(iii) यूरोप में राइन, डेन्यूब आदि के मॉडल का प्रयोग कर आंतरिक बांध बनाकर जल बहाव नियंत्रित किया जाये आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. प्रथम विश्व युद्ध ने भारत को गहन रूप से वैश्विक घटनाओं से संबद्ध किया, जिसके दूरगामी परिणाम हुए। उचित उदाहरण देकर विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

World War I linked India to global events in profound ways with far reaching consequences. Discuss by giving suitable examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1914 से शुरू होकर 1919 में वर्साय की संधि द्वारा समाप्त प्रथम विश्व युद्ध के कारण पश्चिमी शक्तियों के साथ-साथ भारतीय जनता को भी गहन रूप से प्रभावित किया। जिसके प्रमुख प्रभाव निम्न प्रकार से देखे जा सकते हैं।

① रूस की साम्यवादी क्रान्ति :- 1917 की क्रान्ति ने भारतीयों का झुकाव साम्यवाद व समाजवाद की ओर कर दिया क्योंकि रूस (सोवियत संघ) उपनिवेशवाद विरोधी नेता के रूप में उभरकर सामने आया। 'कॉमिन्टर्न के सम्मेलनों' में भारतीयों की भूमिका बढ़ी (एम. एन. रॉय जैसे नेता)

② कांग्रेस की विदेश नीति :- इस विश्व युद्ध में साम्राज्यवादी मंशाओं को कम आँकने के कारण बाद के वर्षों में 'रोलेट एक्ट' के परित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

होने के कारण कांग्रेस को समक्ष आया कि ~~क~~ विश्वयुद्ध तो उपनिवेशी प्रतिस्पर्द्धा का परिणाम है।

③ खिलाफत आंदोलन:- ब्रिटेन की तुर्की के खलीफा के प्रति 'सेवर्स की संधि' ने भारतीय मुस्लिमों को साम्राज्यवादी विरोधी बनाया

परिणाम
- खिलाफत व असहयोग आंदोलन
- नकारात्मक पक्ष राजनीति में धार्मिक तत्वों का समावेश।

④ क्रान्तिकारी आंदोलन :- भगतसिंह, आजाद जैसे नेताओं के 'बम की राजनीति' का प्रयोग रूसी क्रान्तिकारियों के प्रभाव में किया।
संगठन :- हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन 1928 का निर्माण।

⑤ सैन्य पक्ष :- प्रथम विश्वयुद्ध में गये सैनिकों ने वहाँ के युद्ध को करीबी नज़र से देखा व भारत में आकर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

d drishti | दृष्टि The Vision

उपनिवेशी शासन के चरित्र को उजागर किया।

⑥ कांग्रेस के जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता 'उत्पीड़ित जातीयताओं के सम्मेलन' में गये व वहाँ पर उपनिवेशी के देशों की ओर से साम्राज्यवाद के पक्ष में विरोध सुखर किया।

⑦ कांग्रेस ने वैश्विक घटनाओं में रुचि लेना शुरू किया व भारतीयों की अनेक शाखाएँ विश्व के देशों में स्थापित हुई।

इस तरह सम्पूर्ण विश्वयुद्ध ने भारतीय आंदोलन के रंगमंच को एक नई दिशा दी जिसके व्यापक दूरगामी परिणाम हुई व स्वतंत्रता के पश्चात संविधान में भी इसके मूल्य देखे जा सकते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि चाहिये।

(Candidate must write on this mar

महात्मा गांधी जब अफ्रीका गये (1891) तो वहाँ मौजूद स्थितियों व उनके प्रयोगों द्वारा मोहनदास कर्मचन्द गांधी रूपी 'बैरिस्टर' - धोती कुर्ता में विद्यमान 'महात्मा' के रूप में पर्यवसित हुआ।

① सत्याग्रह का विकास :- गांधीजी ने वहाँ के विभिन्न ~~अन्याय~~ कानूनों - पंजीकरण कानून आदि के विरोध में 'सत्याग्रह' व अहिंसा की अवधारणा का विकास किया। (आगे चलकर असहयोग व सविनय अवज्ञा आंदोलन में)

② ~~जन सामान्य~~

③ जन-सामान्य से जुड़ाव :- गांधीजी ने अपने आंदोलन में जन-सामान्य को शामिल करते हुए सामान्य जनता की शक्ति का प्रयोग करते हुए अपने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

लक्ष्यों की प्राप्ति की। कांग्रेसी संविधान इसी बात का दूसरा अगला चरण है जहाँ कांग्रेस 'लोकोन्मुख' हुई।

③ पश्चिमी मूल्यों के प्रति विरोध :- 1909 में लिखी गई उनकी पुस्तक 'हिन्द स्वराज' में पश्चिमी भौतिक मूल्यों के विरोध में भारतीय मूल्यों की श्रेष्ठता साबित करती है। इस विचार ने गांधीजी को भारतीयों में विद्यमान 'हीनता ग्रन्थि' को निकालने में सक्षम बनाया
- खादी का प्रयोग।
- चरखा चलाना।
- सृजनात्मक कार्य।

④ अश्वेतों के प्रति [redacted] संवेदना ने ही आगे चलकर 'जाति व्यवस्था' में 'दलितों' के प्रति संवेदना का विकास किया उदा० हरिजन सेवक संघ।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) अहिंसा का मार्ग का प्रयोग गांधीजी ने भारत से पहले अफ्रीका में कर लिया था।

(6) 'साबरमती आश्रम' में जो साधारण जीवन शैली गांधीजी द्वारा अपनाई गई उसका पहले प्रयोग गांधीजी 'फीनिक्स आश्रम' में कर चुके थे।

(7) अंग्रेजी शासकों के चरित्र की पहचान की।

इस प्रकार अपने पुराने तरीकों का ही संशोधित व अधिक विकसित रूप 1915 से 1948 के भारत में गांधीवादी चरण में विभिन्न आंदोलनों में देखा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. "ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक सुधार हमेशा अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।" विशेष रूप से मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के संबंध में विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"Constitutional reforms introduced by the British government from time to time were always too little and too late". Discuss with special reference to Montagu-Chelmsford reforms. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध में भारतीयों की सहायता के साथ-साथ; होमरूल आंदोलन, कांग्रेस-लीग समझौता व क्रान्तिकारी आंदोलन के विस्तृत प्रभावों का परिणाम था कि ब्रिटिशों ने 'भारत में उत्तरदायी स्वशासन' की स्थापना के स्वीकार्य उद्देश्य से 1919 का मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड अधिनियम पारित किया।

प्रमुख प्रावधान

① केन्द्र व राज्य के कार्यों का विभाजन।

② प्रान्तों के स्तर पर 'द्वैध शासन'।

आरक्षित विषय - गवर्नर के अधीन

हस्तान्तरित विषय - राज्य विधानमंडल के अधीन।

③ सीमित मताधिकार - (संपत्ति, कर, शिक्षा)

④ केन्द्रीय स्तर पर 'द्विसदनीय व्यवस्थापिका'

⑤ वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् में 8 में से 3 सदस्य भारतीय।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(6) सिक्खों, यूरोपीयों आदि के लिये पृथक निर्वाचक मंडल

(7) केन्द्रीय बजट का राज्य बजट से पृथक्करण।

(8) 10 वर्ष पश्चात समीक्षा आयोग के गठन का प्रावधान।

इतने प्रावधानों के पश्चात भी ये प्रावधान अधूरेव देरी से पारित किये गये थे। 1919 व 1909 के नियम की भाँति भारतीयों को निराशा ही हाथ लगी। ऊपर से रौलेट एक्ट जैसे अधिनियम तो स्वराज के भूखे व्यक्ति को कंकड़ परोसने के समान थे।

(1) प्रान्तीय विषयों में अधूरापन - जहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विषय हस्तान्तरित थे किन्तु 'वित्त' जो इनके विकास के लिये ज़रूरी था 'आरक्षित' विषय था।

(2) पृथक निर्वाचक मंडल विस्तार द्वारा ~~सांप्रदायिकता~~ का प्रसार।

(3) प्रान्तों में भी गवर्नर के पास आपातकालीन शक्तियों का होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

④ सीमित मताधिकार के कारण 'स्वराज' जैसी अवधारणाएँ बाधित हुई।

⑤ 1909 के नियम के कुछ अधिक अधिकार प्रदान नहीं किये गये। साथ ही, इस अधिनियम के बाद का अधिनियम 16 वर्षों बाद पारित हुआ।

⑥ बजट जैसे मुद्दों पर केन्द्रीय व राज्य दोनों स्तर पर प्रतिनिधियों का नियंत्रण नहीं के बराबर था।

इस प्रकार 1919 का अधिनियम गांधीजी के शब्दों में 'अत्यन्त निराशाजनक' था। इसने भारतीयों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं किया। हालांकि 'उत्तरदायी शासन' के मार्ग का यह प्रस्थान बिन्दु अवश्य था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्धोत्तर परिस्थितियों में वर्साय की कठोर संधि, युद्धोत्तर स्थापित गणतंत्र राज्यों की असफलता, वैश्विक आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, इटली, जर्मनी का अपमान किये जाने के कारणों के कारण यूरोप में 'फासीवाद' व 'नाजीवाद' जैसी विचारधाराओं का उदय हुआ जिनके प्रमुख सिद्धान्त निम्न थे।

(i) कोई निश्चित सिद्धान्त नहीं।
(ii) लोकतंत्र विरोधी
(iii) शांति विरोधी।
(iv) राज्य को सर्वोपरि मानना
(v) शुद्ध आर्य नस्ल के साथ मिट्टी व रक्त का सिद्धान्त (केवल नाजीवाद में)

यह बात बिल्कुल सही है कि ब्रिटेन फ्रांस आदि ने इन शक्तियों का तुष्टिकरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किया जिसके प्रमुख कारण निम्न थे-

(i) साम्यवाद प्रसार का भय- फासीवादी शक्तियाँ साम्यवाद विरोधी थी।

(ii) ब्रिटेन का जर्मनी व इटली के साथ व्यापार था।

(iii) ब्रिटेन की जर्मनी के पुनर्निर्माण पर पूंजी लगी थी।

(iv) भूमध्यसागर में व्यापारिक हितों के कारण ब्रिटेन व फ्रांस का इटली के साथ तुष्टिकरण।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रमुख उदाहरण

(i) लोकार्नो की संधि 1926 (जर्मनी के साथ)

(ii) जापान का चीन पर आक्रमण 1931

(iii) इटली का अबीसीनिया पर आक्रमण।

(iv) जर्मनी व इटली का 'स्पेन गृहयुद्ध' में भाग लेना।

(v) जर्मनी का सैन्यीकरण करना (हिटलर द्वारा)

(vi) चेकोस्लोवाकिया पर जर्मन आक्रमण व म्युनिख समझौता (1938) इस नीति की पराकाष्ठा था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी संबंध में कहा जाता है कि पश्चिमी राष्ट्रों ने अपने सम्मान में भी धब्बा लगवाया व युद्ध को भी नहीं रोक सके। किन्तु इस तुष्टिकरण की नीति के अलावा अन्य भी कारण जिम्मेदार थे-

(क) वर्साय की संधि की कठोर शर्तें।

(ख) राष्ट्र संघ की असफलता।

(ग) इटली व जर्मनी में कमज़ोर गणतंत्र का शासन।

(घ) वैश्विक आर्थिक मंदी।

इन सभी कारकों ने सम्मिलित रूप से फासीवाद को जन्म दिया। अपने जन्म के विचार में ही यह आक्रामक विचारधारा थी व इसे तुष्टिकरण की राजनीति ने प्रोत्साहित किया व विश्वयुद्ध को बुलावा दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमज़ोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही चाहे 1920 का नागपुर अधिवेशन हो, महात्मा गांधी की नीतियाँ हो या 1938 का हरिपुरा अधिवेशन - कांग्रेस की नीति भाषायी आधार पर प्रान्तों का पुनर्निर्माण करने की थी। किन्तु आजादी के समय विभाजन की त्रासदी ने इस विचार पर प्रश्नचिह्न खड़े किये व तत्कालीन नेताओं ने सोचा कि भाषायी पुनर्गठन भारत की एकता में खतरे पैदा कर सकता है। अतः राज्यों की इच्छा के विरुद्ध इस विचार को दबा दिया गया।

इस हेतु बने दो आयोग चाहे वह - एस-के धर आयोग (1947-48) हो या जे-वी-पी- (जवाहर लाल नेहरू वल्लभ भाई पटेल, पट्टाभिसीतारमैया)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समिति - सभी ने इस सिद्धान्त (भाषायी पुनर्गठन) को स्वीकार करते हुए भी तत्कालीन परिस्थितियों में भाषा को प्रमुख आधार नहीं माना।

किन्तु 1953 में आन्ध्रप्रदेश राज्य की मांग करते हुए भूख हड़ताल के कारण एक कांग्रेसी कार्यकर्ता 'पोट्टी श्रीरामुलु' की मृत्यु हुई। इसके बाद भाषायी आधार पर आन्ध्रप्रदेश राज्य बना।

अतः अन्तिम रूप में 1956 में फजल अली, H.N. कुंजरू की सदस्यता वाले 'राज्य पुनर्गठन आयोग' ने कुछ शर्तों के साथ भाषायी पुनर्गठन को स्वीकृति दी व भारत का मानचित्र सामने आया।

→ इसके बाद भी गुजरात, हरियाणा जैसे राज्यों का गठन भाषायी आधार पर हुआ।

इस प्रकार भाषायी पुनर्गठन के भारत

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

की एकात्मकता को मजबूत ही किया है
उदाहरण के लिये 1956 के बाद भाषा के लिये एकाध आंदोलन को छोड़कर आंदोलन नहीं हुए हैं।

- अन्य राज्यों के गठन (उ.पू. के राज्य, झारखंड आदि) में भाषा ने भूमिका नहीं निभाई है।
- भाषायी पुनर्गठन ने भारतीय राज्यों की आकांक्षाओं को संतुष्ट कर संघवाद को मजबूत ही किया है

हालांकि भारत के कुछ राज्यों में अभी भी भाषायी तेवर विद्यमान है जैसे मरुप्रदेश (राजस्थान से), हरित प्रदेश (उ.प्र) - किन्तु ये सभी उतने सशक्त नहीं हैं साथ ही जनता की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति व इनके समाधान के सार सूत्र संविधान में निहित है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. यदि निजी क्षेत्र को शुरुआत से ही एक स्वतंत्र भागीदारी की अनुमति प्रदान की जाती, तो भारत अधिक बेहतर विकास कर सकता था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Had private sector been allowed a free play right from the beginning, India could have developed much better. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margin

भारत ने अपनी आजादी के बाद 'समाजवादी मूल्यों' को संविधान में प्रविष्ठ किया। आजादी के 75 वर्ष बीत जाने पर भी विकास की प्रक्रिया में हम पिछड़े हुए हैं। कई विद्वानों के अनुसार इसका प्रमुख कारण समाजवादी अर्थव्यवस्था, बंद अर्थव्यवस्था, सरकारी नियंत्रण को माना जाता है। इसके प्रमुख पक्ष दो हैं -

① समाजवादी / सरकारी नियंत्रण की कमियाँ
- लाइसेंस राज व कोटा राज।
- अतार्किक पंचवर्षीय योजनाएँ - प्रथम में कृषि विकास पर बल तो द्वितीय में हवि का भाग अत्यन्त कम कर उद्योग पर बल।
- इंस्पेक्टर राज व ब्यूरोक्रेसी राज।
- सरकार नियंत्रित उद्योगों में हानि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- निजी क्षेत्र को हतोत्साहित करना।

(2) निजी क्षेत्र का महत्व :- 1991 के आर्थिक उदारीकरण (LPG नीति) के बाद भारत की वृद्धि दर 7-8% की औसत से चली है जबकि स्वतंत्रता पश्चात यह दर हिन्दू वृद्धि दर से चली थी (५% से कम)

यदि स्वतंत्रता पश्चात निजी क्षेत्र को समाप्ति करते तो संभव था कि -

- अर्थव्यवस्था में कुशलता बढ़ती।
- निजी क्षेत्र का विशिष्टीकरण आता।
- प्रतिस्पर्द्धा से उत्पादन वृद्धि होती।
- आयात व निर्यात वृद्धि से 1991 की भुगतान संतुलन जैसी स्थिति न होती।
- पश्चिमी देशों का निवेश प्राप्त होता (अमेरिका जैसे देश) में भी वृद्धि होती।
- GDP दर में भी वृद्धि होती।

इन सभी परिणामों के आधार पर नंदन नीलकणि ने भी अपनी हालिया पुस्तक में भारत की आजादी के बाद की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)
www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सरकारी नीति की आलोचना की है। अशोका समूह ने इसी नियंत्रण के कारण अपना कारखाना लंदन में स्थापित कर लिया था।

किन्तु, संभावित परिणामों के आधार पर ऐतिहासिक प्रभावों को झुठलाया नहीं जा सकता जैसे-

① भारत एक उपनिवेश था (ईस्ट इंडिया कंपनी जैसी निजी कंपनी द्वारा)।

② रूस का नियोजन आधारित सफल मॉडल हमारे सामने थे।

③ पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में 'विश्व आर्थिक महामंदी' जैसे प्रभाव सामने थे।

④ स्वतंत्रता आंदोलन का स्वरूप (समाजवादी था)

⑤ निजी क्षेत्र की भागीदारी के द्वारा हम भूमि सुधार जैसे कार्यक्रम पारित नहीं कर पाते।

अतः समाजवादी मॉडल से भी हमनें अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं जैसे (हरित क्रांति द्वारा खाद्य सुरक्षा)। अतः एकतरफा बयानों के बजाय परिस्थितियों के अनुरूप विकास मॉडल अपनाया जाना चाहिये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must n write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को परिवर्तित किया है। विकासशील देशों के संबंध में इसके प्रभावों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।
(250 शब्द) 15

Globalisation has changed the role of State. Critically evaluate its impact in the context of developing countries.
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण संपूर्ण विश्व में सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक विचारों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया है जिसने संपूर्ण विश्व को ग्लोबल गाँव में परिवर्तित कर दिया है।

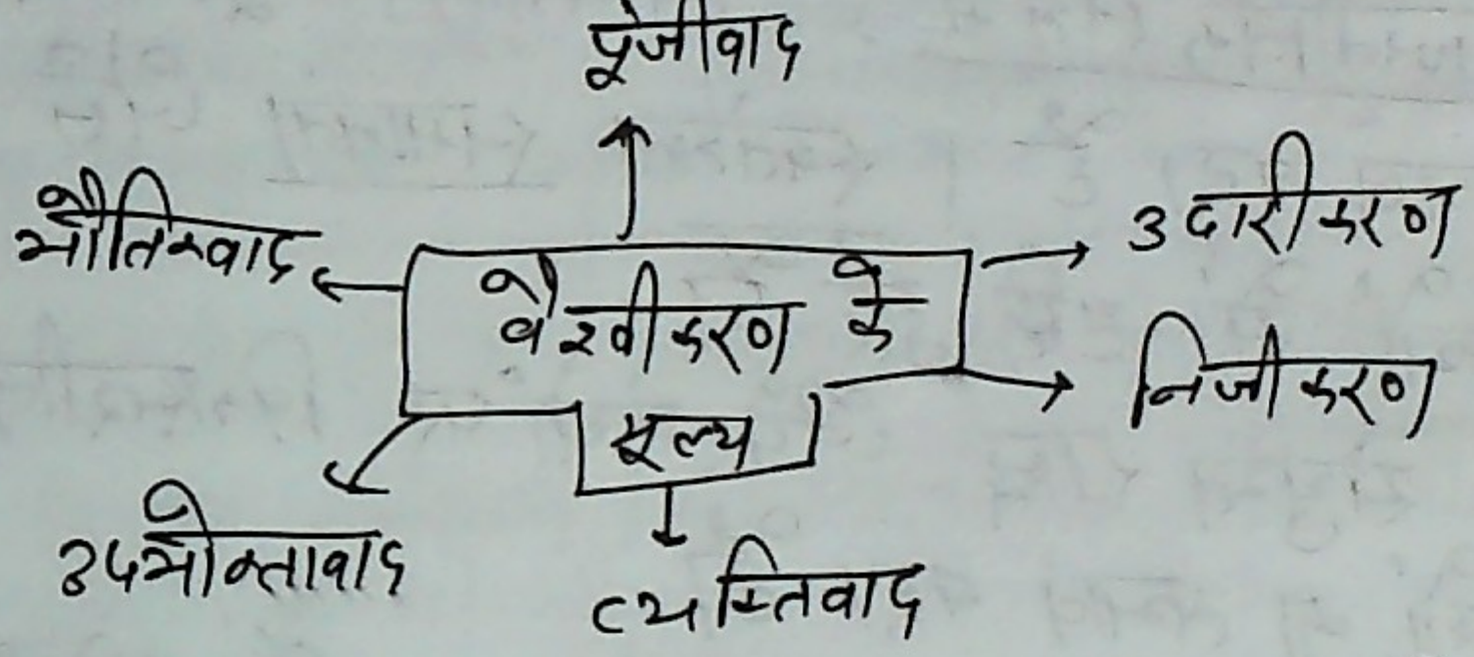

इन सभी मूल्यों को यदि सूचना क्रान्ति से समाहित किया जाये तो राज्यों की भूमिका में परिवर्तन होना ही है।

① आर्थिक क्षेत्र में →
- सरकारी व निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन।
- निजीकरण में वृद्धि।
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों का आगमन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- राज्य की भूमिका 'नियंत्रक' के बजाय 'विनियामक' व 'प्रोत्साहक' की हुई है।

② 'सामाजिक क्षेत्र' में - महत्वपूर्ण सामाजिक सुविधाओं में राज्यों ने अपने व्यय में कमी की है। उदा. के लिये WTO के प्रभाव में कृषि सब्सिडियाँ कम हुई हैं।

③ राजनीतिक क्षेत्र में :- लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रभाव बढ़ा है। स्वतंत्रता समानता जैसे मूल्यों में वृद्धि हुई है।
- संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर विकासशील देशों का प्रभाव बढ़ा है।

④ विदेश नीति :- 'गुटनिरपेक्षता की नीति' से विचलन नज़र आता है।
- पश्चिमी रुझान (मुक्त बाजार)।

नकारात्मक प्रभाव

① राज्य की सामाजिक सुरक्षा खर्चों में कमी से 'असमानता वृद्धि'।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- कृषि सब्सिडी में कमी 'खाद्य सुरक्षा'
प्रभावित कर सकती है।

② विकासशील छोटे देशों में बड़ी कंपनियों (MNCs का दबाव) - उदा० अफ्रीका व मध्य-पूर्व में चीनी व अमेरिकी कंपनियाँ क्रमशः।

③ विदेश नीति पर विदेशी प्रभाव पड़ते हैं उदाहरण के लिये- ब्रेक्जिट हो या फिर अमेरिका का पेरिस समझौते से हटना।

④ निजीकरण के आधिक्य से आवश्यक सेवाओं (जल, स्वास्थ्य) की वहनीयता प्रभावित होती है।

इस प्रकार वैश्वीकरण एक दो-धारी तलवार है जिसका प्रयोग भली-भाँति एवं में नकारात्मक प्रभावों का समाधान सोचते हुए करना चाहिये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. लैंगिक न्याय उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितनी की धार्मिक स्वतंत्रता। भारत की हाल की गतिविधियों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Gender justice is as important as religious freedom. Analyse in the context of recent developments in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"तलाक देते तो रहे हो, जनून-ओ-कहर के साथ
मेरी शबाब भी लौटा दो, मेरी मेहर के साथ"

तीन-तलाक के हालिया अधिनियम के औचित्य को साबित करती ये पंक्तियाँ धार्मिक स्वतंत्रता के साथ-साथ 'लैंगिक न्याय' की महत्ता का प्रतिपादन करती है

अतः तीन-तलाक का मुद्दा हो या ~~लैंगिक न्याय~~ सबरीमाला मुद्दा - विश्लेषण ज़रूरी हो जाता है।

धार्मिकस्वतंत्रता :- अनुच्छेद 25 से 28 में दी गई है।
- आवश्यक धार्मिक प्रथाओं का होना।
- अपने विश्वास, धर्म, उपासना, मानने व आचरण की स्वतंत्रता
- अपने धर्म का संवर्धन की स्वतंत्रता
- विभिन्न धार्मिक बोर्डों की स्थापना
उदा. मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विभिन्न अधिनियम

हिन्दू विवाह अधिनियम- 1955
मुस्लिम शरीयत अधिनियम- 1937।

इन सभी प्रावधानों का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता है किन्तु यह स्वतंत्रता लैंगिक न्याय की कीमत पर नहीं मिलनी चाहिये।

① स्त्री सबसे पहले मानव है फिर वह कोई धर्म की सदस्या।

② पीपुल्स युनियन ऑफ सिविल लायबिलिटी मामले में (1999) में न्यायालय ने कहा कि दो अधिकारों के मामले में जो अधिकार सर्वोच्च है उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिये। अतः समानता का अधिकार धार्मिक अधिकारों के ऊपर है।

③ अनुच्छेद 21 व 19 का सार लैंगिक समानता के बिना संभव नहीं है।

④ स्वयं अनु॰ 25 में कुछ सीमाएँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है जिनका प्रयोग धार्मिक विनियमन में किया जा सकता है।

(5) भारत की 'धर्मनिरपेक्षता' की अवधारणा सकारात्मक है जो कि धर्मों में तार्किक हस्तक्षेप को उचित ठहराती है।

अतः लैंगिक न्याय को धार्मिक स्वतंत्रता के साथ स्थापित किया जाना चाहिये।

आगे की राह

(i) विभिन्न धर्मों के ग्रन्थों का सहारा लेना।
उदा. तीन-तलाक बंद करने के लिये कुरान का सहारा लिया गया।

(ii) धार्मिक सुधारों (प्रगतिशील धार्मिक व्यक्तियों) को शुरू किया जाये।

(iii) महिला जागरूकता लाना।

(iv) समान नागरिक सिविल संहिता के लिये (Article-44) विभिन्न समुदायों में विश्वास बहाली व वार्ता करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation